प्रस्तावना
हम क्या कर सकते हैं?

हम में से बहुत लोग यही सवाल पूछते हैं।

हम कुछ अलग करना चाहते हैं। हम पर्यावरण को साफ और संरक्षित करना चाहते हैं। हम इस बदलाव का हिस्सा बनना चाहते हैं जो आज की सख्त आवश्यकता है। हमें पता है कि जिस वायु में हम सांस लेते हैं वह इतनी प्रदूषित है कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गई है। अपशिष्ट और सीवेज की वजह से हमारी नदियां मर रही हैं, हमारे जंगल खतरे में हैं। हम जानते हैं कि हमारे पर्यावरण की रक्षा के लिए बहुत कुछ किया जाना चाहिए, क्योंकि इसके बिना हमारे ग्रह का अस्तित्व दाव पर है।

हमें यह सब पता है। लेकिन हमारे मन में यह सवाल उठता है कि हम क्या कर सकते हैं? क्या हम व्यक्तिगत तौर पर या स्कूलों, कॉलेजों या यहां तक कि आवासीय परिसरों और कॉलोनियों से संबंधित समूह के रूप में कुछ कर सकते हैं? इसके लिए हम क्या और किस प्रकार से योगदान कर सकते हैं?

हां! हम कर सकते हैं। कई साल पहले महात्मा गांधी ने कहा था कि हमें वह बदलाव बनना होगा जिसे हम दुनिया में देखना चाहते हैं। आज की दुनिया में हमें ऐसा ही करने की आवश्यकता है।

यह स्पष्ट है कि हमारी जीवनशैली का पर्यावरण पर असर पड़ता है। हम क्या करते हैं और हम कैसे करते हैं इससे एक महत्वपूर्ण अंतर पड़ता है। यही कारण है कि परिवर्तन लाने का पहला चरण है यह जानना कि हम खुद क्या कर रहे हैं – हमें यह देखना होगा कि हम कितने पानी और ऊर्जा का उपयोग करते हैं और कितना बर्बाद करते हैं और कितना अपशिष्ट उत्पादित करते हैं। यह केवल तभी होगा जब हम अपने तौर–तरीके बदल सकेंगे ताकि हम संसाधनों का कम से कम उपयोग करने की आदत विकसित कर सकें – 'ट्रेड लाइटली ऑन अर्थ' हमारा आदर्श वाक्य होना चाहिए।

हमारा हरित विद्यालय मैनुअल हरित अभ्यास के बारे में है। यह हमारे जीवन को कक्षा से जोड़ता है। खुशी सिर्फ सीखने में ही नहीं है। खुशी हमारे पर्यावरण में परिवर्तन करने के अनुभव में है। तभी हम परिवर्तन को जीते हैं।

पानी के मुद्दे को ही लें। हम जानते हैं कि एक तरफ पानी की कमी बढ़ रही है – कई लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा है – दूसरी तरफ उपलब्ध पानी प्रदूषित हो रहा है। तो इस समस्या का हल निम्नलिखित हो सकता है:

क. वर्षा के समय पानी की हर बूंद को सहेज कर, हम वर्षा जल संचयन कर सकते हैं ताकि प्रत्येक छत, हर पक्की सतह पानी का संचयक बन जाए। हम फिर समाधान का हिस्सा बन जाएंगे।

ख. पानी की मांग को कम करें – हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हम पानी बर्बाद न करें और, वास्तव में, पुनर्नवीनीकृत पानी का उपयोग करने का समाधान और यहां तक कि हम अपने रसोई, बाथरूम और उद्यान में पानी के उपयोग को कम करने के तरीके खोजें।

ग. प्रदूषण रोकें। यह अधिक कठिन है, लेकिन हम समाधान का हिस्सा बन सकते हैं यदि हम अपने स्कूल या कॉलोनी में सीवेज को अवरुद्ध, उपचारित और पुनः उपयोग करने के तरीके तलाश सकें। अपशिष्ट जल को शुद्ध जल में बदल दें।

यही बात अपशिष्ट पर लागू होती है। अगर हम अपना अपशिष्ट मापते हैं तो हमें पता चल जाएगा कि हम कितना अपशिष्ट उत्पादित करते हैं। लेकिन अगर हम गीले अपशिष्ट को अलग करें – सभी खाद्य छिलके, पत्तियों और अन्य सड़नशील पदार्थ को – प्लास्टिक, कांच, धातु आदि से, तो हम अपने अपशिष्ट की संरचना को जान सकेंगे। एक बार जब हम यह जान जाते हैं, तो हम इसे प्रबंधित कर सकते हैं – चूंकि सड़नशील को खाद में बदला जा सकता है या ऊर्जा बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, और प्लास्टिक, कांच और धातु का पुनर्नवीनीकरण किया जा सकता है। लेकिन अधिक महत्वपूर्ण बात, हम यह जान लेंगे कि हम ऐसा क्या उपयोग करते हैं, जो गैर–अवक्रमित अपशिष्ट उत्पन्न करता है और फिर इन वस्तुओं के उपयोग को कम करने की योजना बना सकते हैं। हम यह सब कर सकते हैं।

यदि प्रत्येक स्कूल और प्रत्येक घर कार्रवाई की प्रयोगशाला बन जाए, तो जागृति तेजी से आ जाएगी। हम इन्हें जीवन का सबक मानकर इन्हें ही अपना जीवन बना सकेंगे।

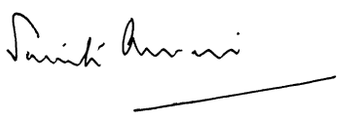

सुनीता नारायण महानिदेशक, सीएसई